



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.6-1/2024-PRO/02

19th April, 2024

Greetings from Central University of Gujarat

भारत सोने की चिड़िया नहीं सोने के शेर के रूप में खड़ा होगा : राष्ट्र संत स्वामी गोविन्द देव गिरि महाराज
- सीयूजी में 'भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सम्पन्न हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान, पुणे के संस्थापक एवं श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास, अयोध्या के कोषाध्यक्ष राष्ट्र संत स्वामी गोविन्द देव गिरि महाराज ने कहा कि हमें भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों का चिंतन करना है। उन्होंने कहा कि जब वे विदेश में अध्ययन करने के बाद भारत लौटे तो महसूस किया कि हमारी संस्कृति और ग्रंथों में वो सारा ज्ञान पूर्व से ही विद्यमान है जो हमें अंग्रेजी भाषा में देखने और सुनने को मिलता है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा में प्रबंधन, आत्मविकास, मानवीय संबंध और नेतृत्व गुण विकास जैसे विषयों के बारे में सर्वाधिक लिखा गया है, ऐसे में यह बात सामने आई है कि विचार नए नहीं है, ये सब हमने महाभारत, रामायण और भगवद्गीता में पढ़ा है। केवल विचारों की अभिव्यक्ति अंग्रेजी में है, जिसकी वजह से हमें यह ज्ञान नया लगता है। हमें हमारी संस्कृति की तरफ सीखने और समझने की दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम के लोगों ने संस्कृत को मृत भाषा बताया लेकिन संस्कृत ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो कम्प्यूटर के लिए सर्वोत्तम है। उन्होंने कहा कि हमें हमारी वैभवशाली शिक्षा पद्धति से गुमराह किया गया। 1836 में जो अंग्रेजी शिक्षा लागू हुई, उससे पहले 1818 तक के सारी शिक्षा पद्धतियों का सर्वेक्षण कर अंग्रेजों ने इसे खत्म करने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि हमारे यहां गुरुकुल परंपरा थी। उन्होंने मैक्स मूलर के पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को सदा के लिए गुलाम बनाने के लिए आवश्यक है कि यहां की शिक्षा पद्धति को बदला जाए। उन्होंने बताया कि भारतभूमि का स्वर्णिम



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत सोने की चिड़िया नहीं सोने के शेर के रूप में खड़ा होगा। हमें भारतीयता का गर्व महसूस करना होगा। उन्होंने बताया कि विश्व की सभी संस्कृतियां नष्ट हो गईं लेकिन भारत की संस्कृति अमिट है। हमारी संस्कृति ने मानव कल्याण के लिए बहुत कुछ दिया है। भारत के मनीषियों ने मानव जाति का मैनेजमेंट सीखा है। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान शक्ति और क्रियाशक्ति इच्छाशक्ति के पीछे चलती है। हमारे पास इच्छाएं होनी चाहिए। महान बनने के लिए कामनाएं होनी चाहिए। हमें जीवन में टाइम डिविजन रखना चाहिए। हमारे धर्म में किसी भी प्रकार की निषेधात्मकता नहीं आई है। हमने पूरे विश्व को एकाकार करने का कार्य किया है। उन्होंने यह भी बताया कि धर्म का अनुवाद रिलीजन नहीं हो सकता। रिलीजन महज एक पूजा पद्धति है लेकिन पूरा धर्म नहीं है। हमारे सनातन धर्म की तुलना किसी भी धर्म से नहीं की जा सकती। उन्होंने व्यष्टि, समष्टि, सृष्टि और परमेष्टि में संतुलन की बात कही। वैदिक वांगमय का भी हमें अध्ययन करना चाहिए। कार्यक्रम में आए विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि कर्णावती की यह धरती स्वामी जी की श्रद्धेय उपस्थिति से धन्य हो गई है। उन्होंने कहा कि सभी भौतिक पदार्थों में ईश्वर का निवास होता है, अतः हमें हम कण-कण में देवत्व को देखना चाहिए। हमारी संस्कृति में महज शिक्षा की डिग्री नहीं दी जाती थी बल्कि एक वैज्ञानिक दृष्टि को आत्मसात किया जाता है, जिसमें दूसरी स्त्री को माता के समान माना जाता है।

संस्कारों की प्रयोगशाला है सीयूजी

इस अवसर पर ज्योतिर्विद पं. रामनारायण शर्मा ने कहा कि हमें हमारे सदाचारों को बनाए रखना होगा। 16 संस्कारों में भगवान की पूजा होती है। उन्होंने कहा कि हमारा नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होता है, कलश स्थापना होती है। जो हमारे वैभवशाली परंपरा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमें हमारे बच्चों को दिनचर्या सिखानी होगी, चरणामृत लेकर मंदिर जाना सिखाना होगा। कार्यक्रम में आए विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मार्गदर्शक मंडल के धर्माचार्य महामंडलेश्वर अखिलेश्वरदास महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों से सृजित सीयूजी ने सिर्फ संस्कृति



एक म्दम स्वधरा की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

[Email: pro@cug.ac.in](mailto:pro@cug.ac.in), [website: www.cug.ac.in](http://www.cug.ac.in)



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

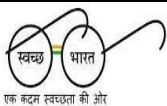
डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

का प्रचार-प्रसार ही नहीं किया अपितु विश्वविद्यालय में आत्मसात भी किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय संस्कारों की प्रयोगशाला है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि हमारा ध्येय ऐसे वैश्विक युवाओं व युवतियों का निर्माण करना चाहिए जिनकी जड़े भारतीयता में हो। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम के शुभारंभ में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने सभी का स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. प्रेमलता देवी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

India will rise as a lion not as a golden bird: His Holiness Swami Govind Dev Giri Maharaj

Gandhinagar. Under the Hindu Studies curriculum of Central University of Gujarat (CUG), a national seminar was organized on 'Indian Culture and Eternal Values'. The chief guest of the national seminar was his holiness, Swami Govind Giri Maharaj, Founder of Maharshi Vedavyas Foundation, Pune, and the Treasure of the Shri Ram Janmabhoomi Tirtha Kshetra Nyas, Ayodhya. He said that we need to contemplate Indian culture and values. He said that when he returned to India after studying abroad, he felt that all the knowledge in our culture and scriptures is already present, which we see and hear in English language.



एक शब्द स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

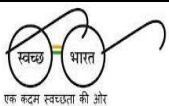
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

He said that Management, Self-Help, Human Relationship, and leadership qualities are written about the most in English. It has come to light that the ideas are not new; we have read all this in the Mahabharata, Ramayana, and Bhagavad Gita. It's just that the expression of thoughts is in English, which makes this knowledge seem new to us. We need to look at our culture for learning and understanding. He said that people of the West have termed Sanskrit as a dead language, but Sanskrit is the only language that is best for computers. He said that we have been misled by our British education system. He mentioned Max Mueller's letter and said that to keep India perpetually enslaved, it is necessary to change the education system here. He said that the land of India has a golden history. He said that now India will stand as a lion, not as a golden bird. We need to feel proud of our Indianness. He said that all the cultures of the world have been destroyed, but Indian culture is infinite. Our culture has given a lot for the welfare of humanity. The sages of India have learned the management of humanity. He further said that knowledge power and action power follow willpower. We should have desires. There should be aspirations to become great. We should keep time division in our life. There is no negativity in our religion. We have worked to unify the whole world. He also said that the



एक मूढ स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

translation of Dharma cannot be religion. Religion is merely a worship method, not the entire Dharma. Our eternal Dharma cannot be compared with any other Dharma. He spoke on balance in individual, society, creation, and the divine. We should also study Vedic literature. The distinguished guest at the program, renowned space scientist Dr. Om Prakash Pandey, said that this land of Karnavati has become blessed by the presence of Swamiji. He said that there is divinity in all physical substances, so we should see divinity in every particle. In our culture, not just a degree of education is given, but a scientific perspective is affirmed, in which the second woman is considered equal to the mother.

CUG is the Laboratory of Culture

On this occasion, Astrologer Pandit Ramnarayan Sharma said that we need to maintain our traditions. There is worship of God in 16 rites. He said that our New Year starts from Chaitra Shukla Pratipada, where the Kalash establishment takes place. Which shows our glorious tradition. He said that we need to teach our children routine, and they need to be taught to go to the temple to take Charanamrit. Speaking at the program, the Central Advisory Committee of the World Hindu Council, Dharmacharya



एक म्दम स्वधरा की ओ

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

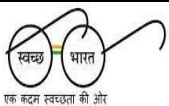
By Speed Post/By Email/By Hand

Mahamandaleshwar Akhileshwardas Maharaj said that CUG has not only spread culture but also established self-confidence in the university. He said that Central University of Gujarat is a laboratory of culture. While presiding over the conference, the Vice Chancellor of the University, Prof. Rama Shanker Dubey said that our goal should be to create such global youth and girls whose roots are in Indianism. The program began with the lighting of the lamp before Mother Saraswati. At the beginning of the program, the Registrar of the University, Prof. HB Patel, welcomed everyone. At the end of the program, Dr. Premlata Devi, Assistant Professor of the Hindi Department, thanked everyone.

ભારત સોને કી ચીડિયા તરીકે નહીં પણ સોનાના સિંહ તરીકે ઊભું રહેશે: રાષ્ટ્રીય સંત સ્વામી ગોવિંદ દેવ ગિરીજી મહારાજ

- CUG માં 'ભારતીય સંસ્કૃતિ અને શાશ્વત મૂલ્યો' પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન.

ગાંધીનગર. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત (CUG)ના હિંદુ અભ્યાસ અભ્યાસક્રમ હેઠળ યોજાયેલા રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદના મુખ્ય અતિથિ રાષ્ટ્રસંત સ્વામી ગોવિંદ દેવ ગિરી મહારાજ, મહર્ષિ વેદવ્યાસ પ્રતિષ્ઠાન, પુણેના સ્થાપક અને શ્રી રામ જન્મભૂમિ તીર્થ ક્ષેત્ર ટ્રસ્ટ, અયોધ્યાના ખજાનચી, ડૉ. કહ્યું કે આપણે ભારતીયોએ સંસ્કૃતિ અને મૂલ્યો વિશે વિચારવું પડશે. તેમણે કહ્યું કે જ્યારે તેઓ વિદેશમાં અભ્યાસ કરીને ભારત પાછા ફર્યા ત્યારે તેમને સમજાયું કે આપણે જે જ્ઞાન અંગ્રેજી ભાષામાં જોઈએ છીએ અને સાંભળીએ છીએ તે તમામ જ્ઞાન આપણી સંસ્કૃતિ અને ગ્રંથોમાં પહેલેથી જ છે. તેમણે કહ્યું કે મુખ્યત્વે અંગ્રેજી ભાષામાં મેનેજમેન્ટ, સ્વ-વિકાસ, માનવ સંબંધો અને નેતૃત્વના ગુણોના વિકાસ જેવા વિષયો પર



સ્વચ્છ ભારત
एक कदम स्वच्छता की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-

07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

મોટાભાગનું લેખન થયું છે, આવી સ્થિતિમાં એ વાત સામે આવી છે કે આ વિચારો નવા નથી, અમે આ બધું મહાભારત, રામાયણ અને ભગવદ ગીતામાંથી શીખ્યા છીએ. ફક્ત વિચારોની અભિવ્યક્તિ અંગ્રેજીમાં છે, તેથી જ આ જ્ઞાન આપણને નવું લાગે છે. આપણે આપણી સંસ્કૃતિને શીખવાની અને સમજવાની દૃષ્ટિએ જોવાની જરૂર છે. તેમણે કહ્યું કે પશ્ચિમના લોકો સંસ્કૃતને મૃત ભાષા કહે છે પરંતુ સંસ્કૃત એકમાત્ર એવી ભાષા છે જે કોમ્પ્યુટર માટે શ્રેષ્ઠ છે. તેમણે કહ્યું કે અમારી વૈભવી શિક્ષણ પ્રણાલીથી અમને ગેરમાર્ગ દોરવામાં આવ્યા છે. 1836માં અંગ્રેજી શિક્ષણ લાગુ કરવામાં આવ્યું તે પહેલાં, અંગ્રેજોએ 1818 સુધીની તમામ શિક્ષણ પ્રણાલીનું સર્વેક્ષણ કર્યું અને તેને સમાપ્ત કરવાની યોજના બનાવી. તેમણે કહ્યું કે તે અમારી ગુરુકુળ પરંપરા છે. મેક્સ મુલરના પત્રનો ઉલ્લેખ કરતા તેમણે કહ્યું કે ભારતને કાયમ માટે ગુલામ બનાવવા માટે અહીંની શિક્ષણ વ્યવસ્થામાં ફેરફાર કરવો જરૂરી છે એવું મેકોલેએ કહ્યું હતું. તેમણે કહ્યું કે ભારતની ધરતીનો સોનેરી ઇતિહાસ છે. તેમણે કહ્યું કે હવે ભારત સોનાની ચિડિયા નહીં પણ સોનાનો સિંહ બનીને ઊભું રહેશે. આપણે ભારતીયતા પર ગર્વ અનુભવવો જોઈએ. તેમણે કહ્યું કે વિશ્વની તમામ સંસ્કૃતિઓ નાશ પામી છે પરંતુ ભારતની સંસ્કૃતિ અમીટ છે. આપણી સંસ્કૃતિએ માનવ કલ્યાણ માટે ઘણું આપ્યું છે. ભારતના ઋષિમુનિઓ એ માનવજાતનું સંચાલન શીખવ્યું છે. તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે જ્ઞાન શક્તિ અને ક્રિયા શક્તિ ઇચ્છા શક્તિને અનુસરે છે. આપણી ઇચ્છાઓ હોવી જોઈએ. મહાન બનવા માટે ઇચ્છાઓ હોવી જોઈએ. આપણે જીવનમાં સમયનું વિભાજન રાખવું જોઈએ. આપણા ધર્મમાં કોઈપણ પ્રકારનો પ્રતિબંધ નથી. અમે સમગ્ર વિશ્વને એક કરવા માટે કામ કર્યું છે. તેમણે એમ પણ કહ્યું કે ધર્મનું ભાષાંતર ધર્મ તરીકે કરી શકાય નહીં. રીલિજિયન એ માત્ર પૂજાની પદ્ધતિ છે પણ સંપૂર્ણ ધર્મ નથી. આપણો સનાતન ધર્મ કોઈપણ રિલિજિયન સાથે સરખાવી શકાય નહીં. તેમણે વ્યક્તિ, સૃષ્ટિ, બ્રહ્માંડ અને સર્વોચ્ચ વચ્ચે સંતુલન વિશે વાત કરી. આપણે વૈદિક શાસ્ત્રોનો પણ અભ્યાસ કરવો જોઈએ. આ કાર્યક્રમના અતિથિ વિશેષ તરીકે જાણીતા અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડો.ઓમપ્રકાશ પાંડેએ જણાવ્યું હતું કે કર્ણાવતીની આ ભૂમિ સ્વામીજીની આદરણીય હાજરીથી ધન્ય બની છે. તેમણે કહ્યું કે ભગવાન તમામ ભૌતિક વસ્તુઓમાં રહે છે, તેથી આપણે આપણા દરેક કણમાં દેવત્વ જોવું જોઈએ. આપણી સંસ્કૃતિમાં માત્ર એજ્યુકેશન ડીગ્રી આપવામાં આવતી નથી, પરંતુ એક વૈજ્ઞાનિક દૃષ્ટિએ પણ આત્મસાત કરવામાં આવી હતી, જેમાં બીજી સ્ત્રીને માતા સમાન ગણવામાં આવતી હતી.

CUG એ મૂલ્યોની પ્રયોગશાળા છે



एक मूल्य स्वच्छता की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-

07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય

(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009કે તહત સ્થાપિત)

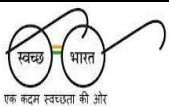
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

ડૉ. સુનીલ કુમાર શર્મા
જનસંપર્ક અધિકારી

By Speed Post/By Email/By Hand

આ પ્રસંગે જ્યોતિષાચાર્ય પંડિત રામનારાયણ શર્માએ જણાવ્યું હતું કે આપણે આપણી નૈતિકતા જાળવવી પડશે. ભગવાનની 16 વિધિઓમાં પૂજા કરવામાં આવે છે. તેમણે કહ્યું કે આપણું નવું વર્ષ ચૈત્ર શુક્લ પ્રતિપદાથી શરૂ થાય છે, કલશની સ્થાપના થાય છે. જે આપણી ભવ્ય પરંપરાને દર્શાવે છે. તેમણે કહ્યું કે આપણે આપણા બાળકોને દિનચર્યા શીખવવી પડશે, ચરણામૃત સાથે મંદિરમાં જવાનું શીખવવું પડશે. કાર્યક્રમમાં પધારેલા વિશ્વ હિન્દુ પરિષદના સેન્ટ્રલ ગાઈડન્સ બોર્ડના ધર્માચાર્ય મહામંડલેશ્વર અખિલેશ્વર દાસ મહારાજે જણાવ્યું હતું કે, ભારતીય સંસ્કૃતિ અને ભારતીય મૂલ્યોમાંથી બનેલ CUG એ સંસ્કૃતિનો પ્રચાર જ નથી કર્યો પરંતુ તેને યુનિવર્સિટીમાં આત્મસાત પણ કર્યો છે. તેમણે કહ્યું કે, સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત એ મૂલ્યોની પ્રયોગશાળા છે. સેમિનારની અધ્યક્ષતામાં યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે અમારો ઉદ્દેશ્ય એવા વૈશ્વિક યુવાનો અને મહિલાઓનું નિર્માણ કરવાનો હોવો જોઈએ જેના મૂળ ભારતીયતામાં હોય. કાર્યક્રમની શરૂઆત માતા સરસ્વતી સમક્ષ દીપ પ્રાગટ્ય સાથે કરવામાં આવી હતી. કાર્યક્રમના ઉદ્ઘાટનમાં યુનિવર્સિટીના રજીસ્ટ્રાર પ્રો. એચ.બી.પટેલે સૌનું સ્વાગત પ્રવચન કર્યું હતું. કાર્યક્રમના સમાપનમાં હિન્દી વિભાગના આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર ડો.પ્રેમલતા દેવીએ સૌનો આભાર માન્યો હતો.



સ્વચ્છ ભારત
एक कदम स्वच्छता की ओर

સેક્ટર-29, ગાંધીનગર-382030, ફોનનં.-

07923977407, ફેક્સ-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand



एक स्वच्छ स्वच्छता की ओर

सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in



150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
जनसंपर्क अधिकारी

By Speed Post/By Email/By Hand

With regards,
Your Truly,

Sunil sharma

Dr. Sunil Kumar Sharma

Public Relations Officer

Central University of Gujarat,

Sector-29, Gandhinagar,

Gujarat, India-382030

+918963840032

Email Id – pro@cug.ac.in

Web www.cug.ac.in

Don't print unless it's necessary.... Let's save environment.



सेक्टर-29, गांधीनगर-382030, फोननं.-

07923977407, फेक्स-07923260076

Sector-29, Gandhinagar, Phone No.8963840032, Fax-07923260076

Email: pro@cug.ac.in, website: www.cug.ac.in

